Title : **Child Marriage (बाल विवाह)**
Series Title: **Child Protection and Child Rights**

मधु की तस्वीर

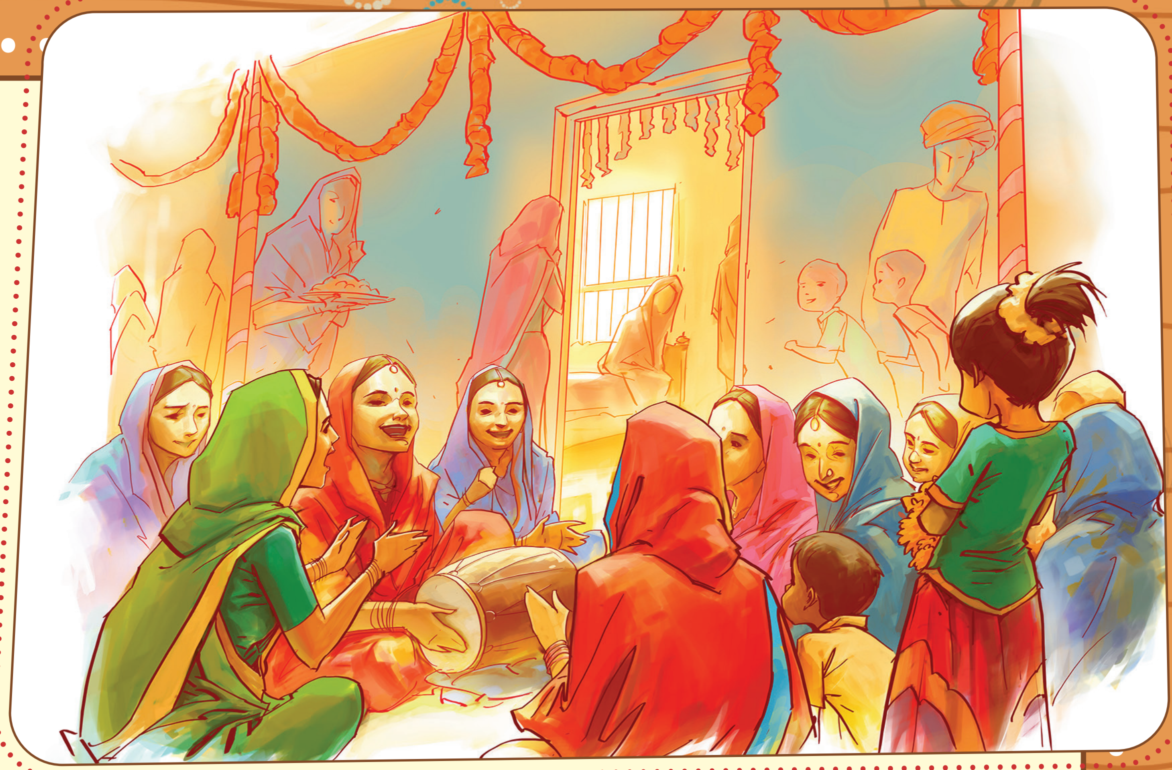

सब हँस रहे हैं और सगाई के गाने गा रहे हैं।

Title : **Child Marriage (बाल विवाह)**
Series Title: **Child Protection and Child Rights**

मधु की तस्वीर

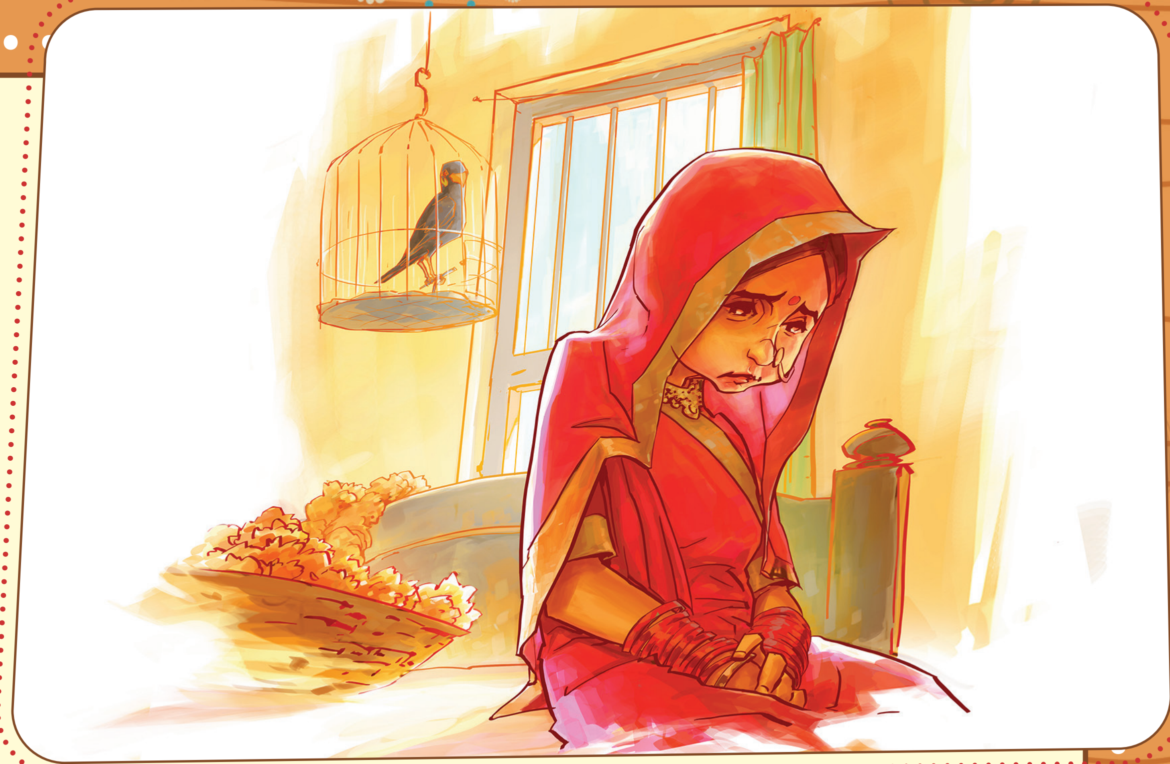

मधु नहीं हँस रही। वो थक गई है मेहंदी और सज–धज से।

Title : **Child Marriage (बाल विवाह)**
Series Title: **Child Protection and Child Rights**

मधु की तस्वीर

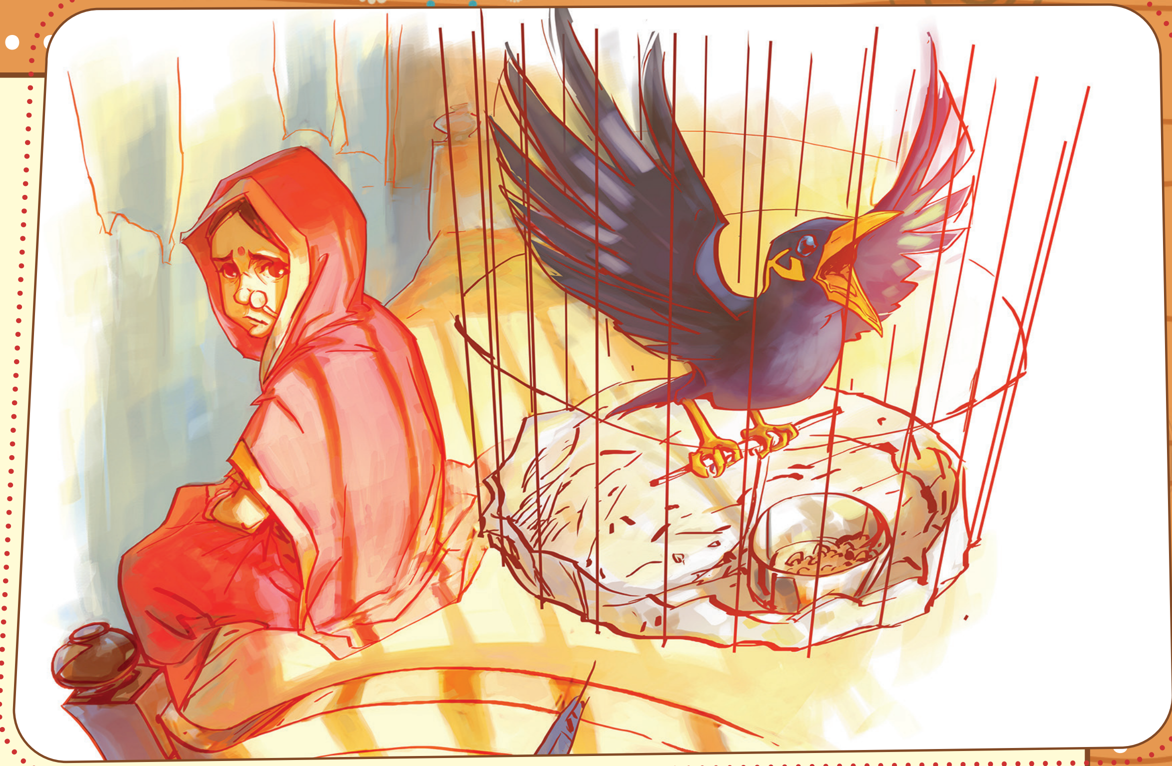

मैना अपने पिंजरे में है। मैना अपने पंख फैला कर अपने पिंजरे में कूद रही है। मधु घर में है। वो दुल्हन की तरह सजी है। खिड़की के बाहर नीला आसमान है।

Title : **Child Marriage (बाल विवाह)**
Series Title: **Child Protection and Child Rights**

मधु की तस्वीर

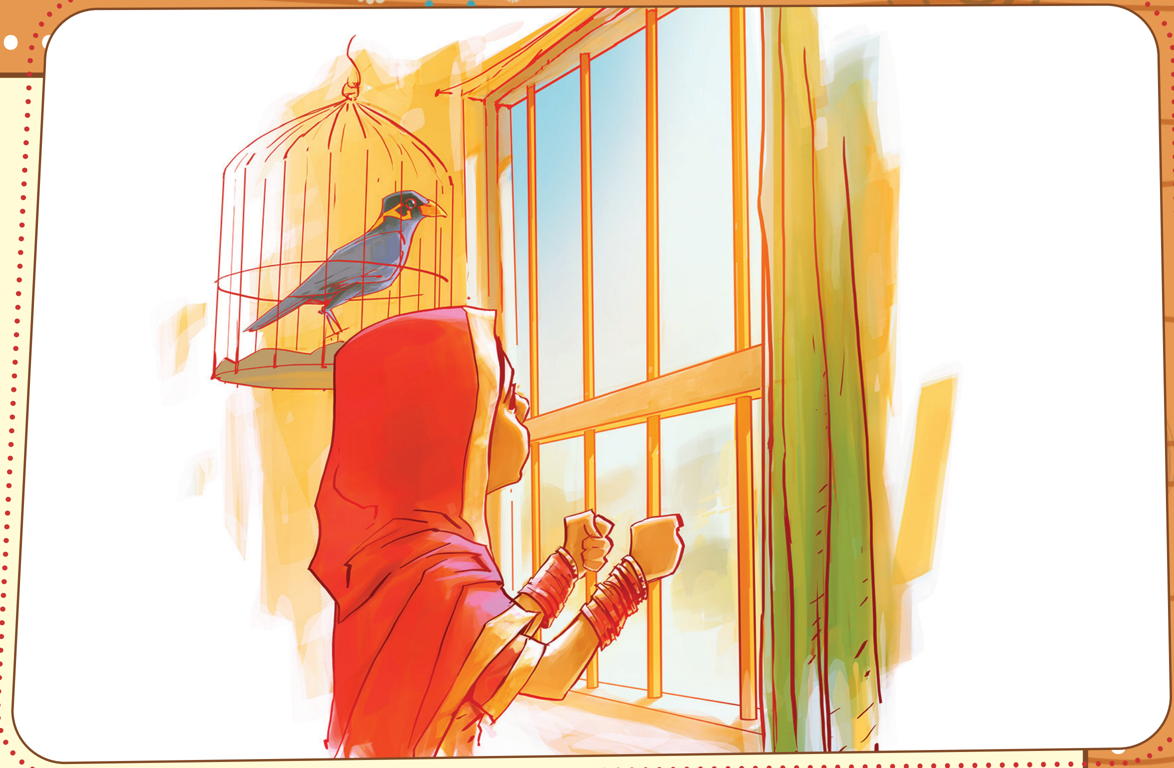

मधु खिड़की के पास जाती है। मधु और मैना, दोनों आसमान की तरफ देखते हैं।

Title : **Child Marriage (बाल विवाह)**
Series Title: **Child Protection and Child Rights**

मधु की तस्वीर

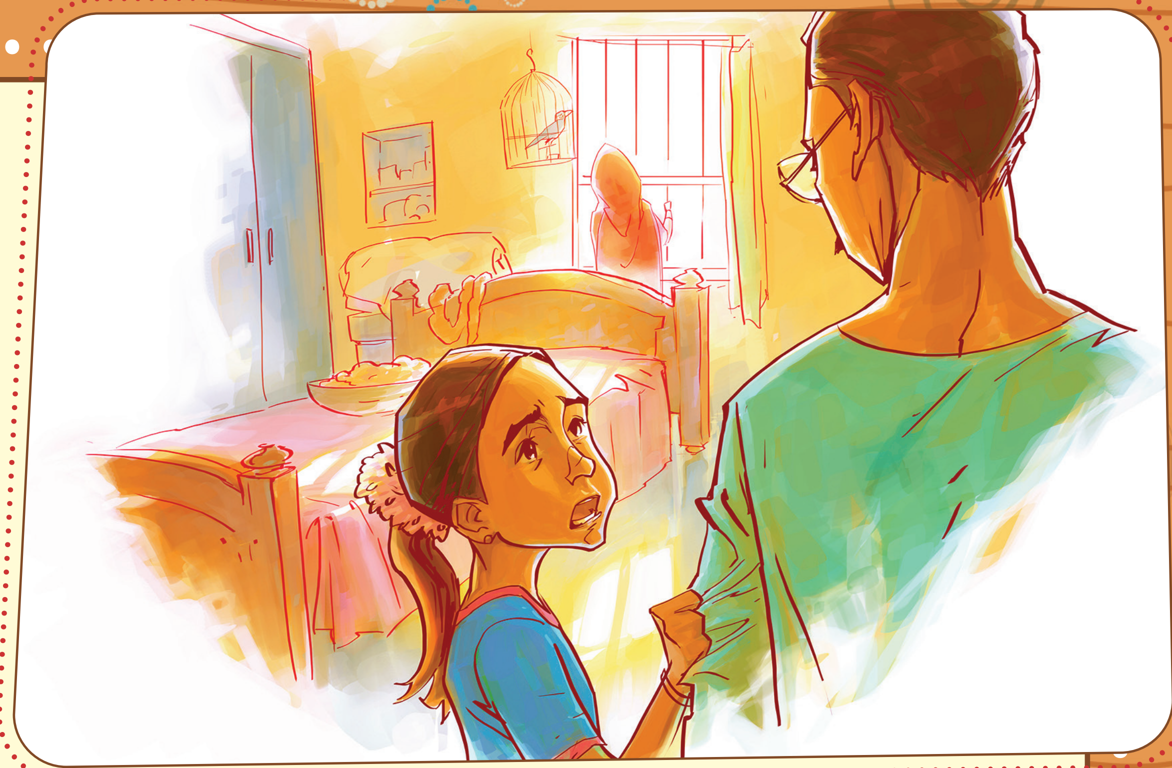

नीचे सब नाच–गा रहे हैं। पर सारा नहीं नाच रही। सारा नहीं गा रही।
वो मधु को देख रही है।

सारा अपने पिताजी से पूछती है, ''मधु की शादी क्यों हो रही है?''

Title : **Child Marriage (बाल विवाह)**
Series Title: **Child Protection and Child Rights**

मधु की तस्वीर

सारा : क्या वो स्कूल छोड़ देगी? क्या आप मेरी भी शादी करा देंगे?

सारा के पिताजी मुस्कुराते हैं, "तुम्हारे लिए अभी वक्त है। लेकिन अगर तुम तैयार हो तो...."

सारा ने अपने पिता को देख कर मुँह बनाया।

Title : **Child Marriage (बाल विवाह)**
Series Title: **Child Protection and Child Rights**

मधु की तस्वीर

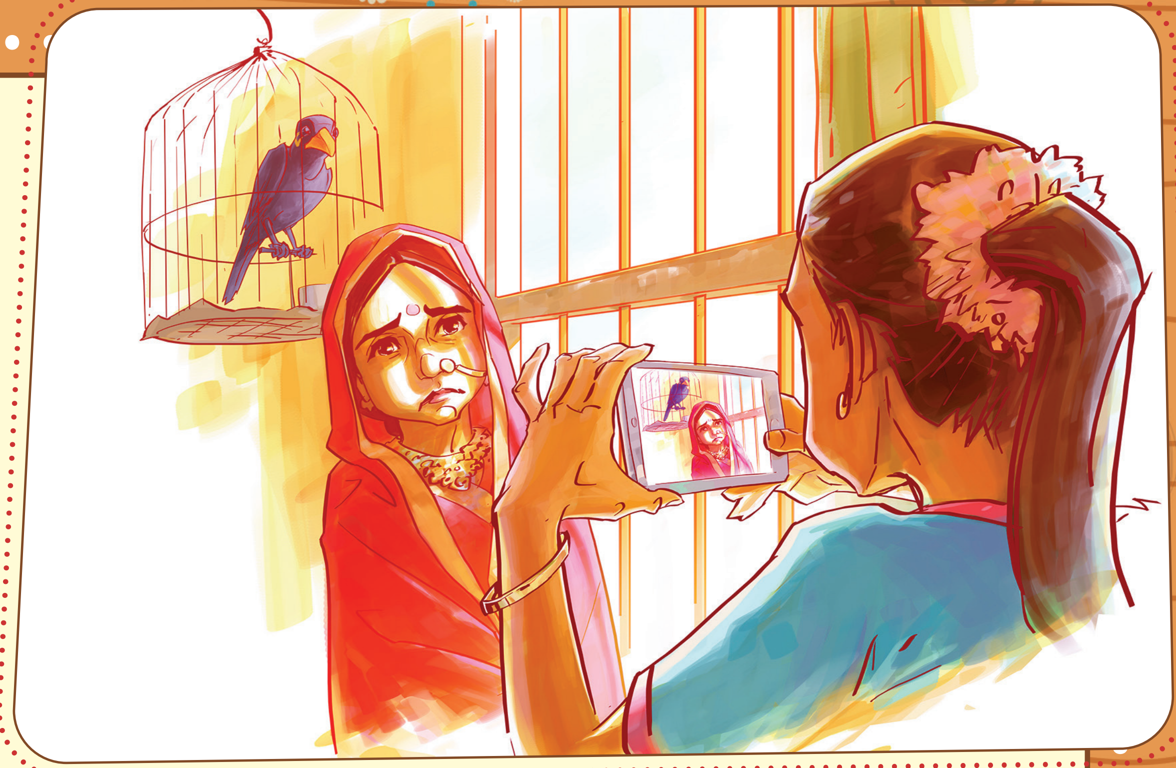

सारा ने मधु और मैना की तस्वीर खींची।

Title : **Child Marriage (बाल विवाह)**
Series Title: **Child Protection and Child Rights**

मधु की तस्वीर

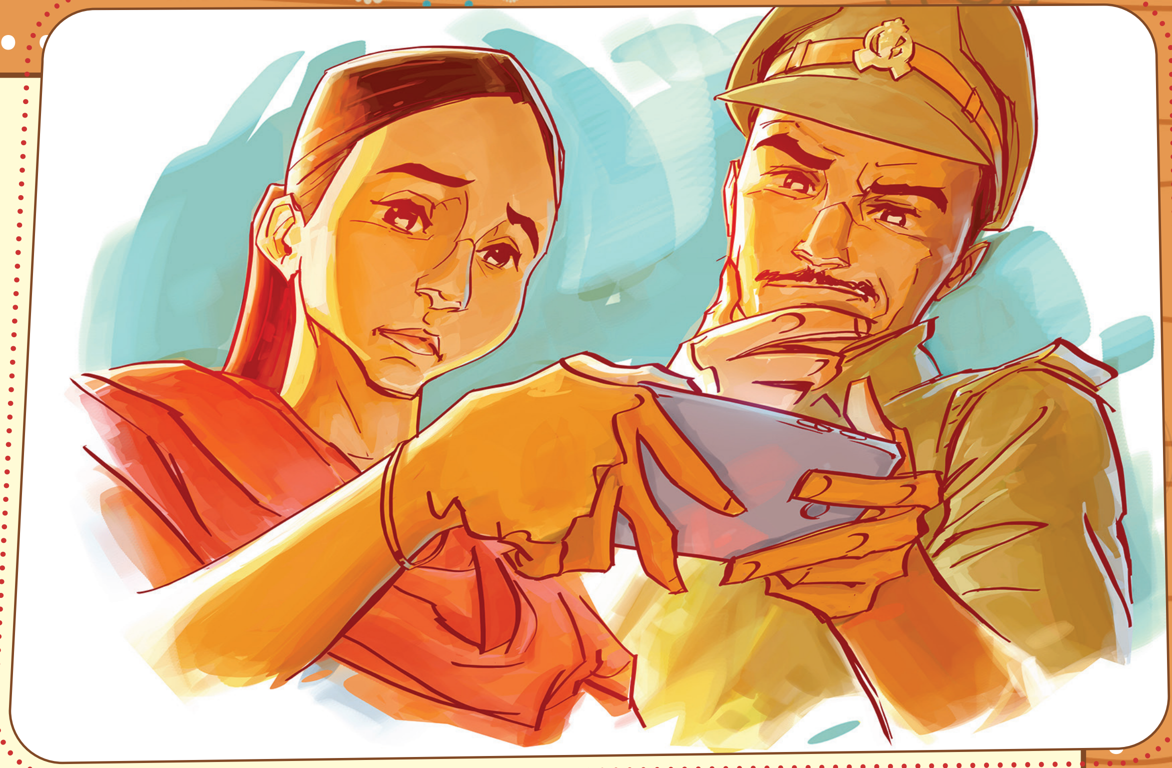

उसने वो तस्वीर कविता दीदी को भेज दी। कविता दीदी ने वो तस्वीर इन्सपेक्टर शान को दिखाई। उन्होंने डिस्ट्रिक्ट मॅजिस्ट्रेट से फोन पर बात की।

Title : **Child Marriage (बाल विवाह)**
Series Title: **Child Protection and Child Rights**

मधु की तस्वीर

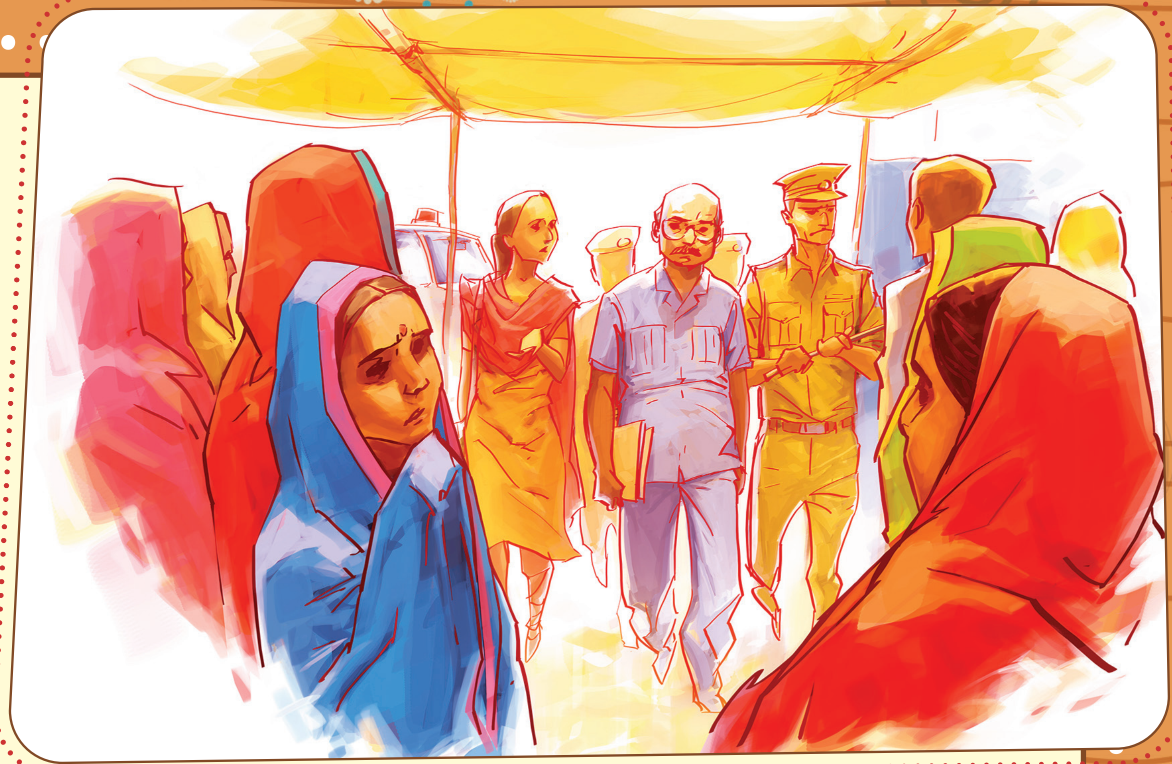

कविता दीदी और इन्सपेक्टर शान मधु के घर आये। उन्होंने मधु के माता–पिता से बात की।

Title : **Child Marriage (बाल विवाह)**
Series Title: **Child Protection and Child Rights**

मधु की तस्वीर

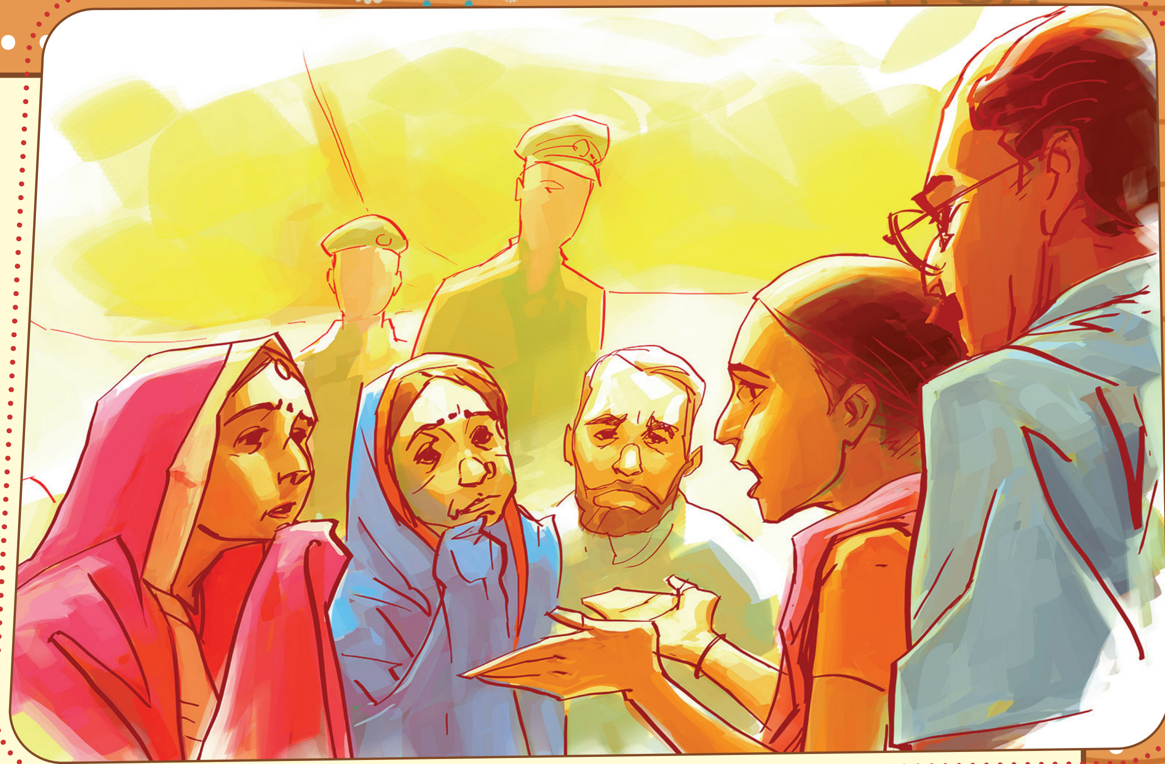

उन्होंने उसके दादा–दादी से भी बात की।

समाधान

एक अच्छी और खुशहाल जिंदगी पाने के लिए अच्छी शिक्षा के साथ–साथ खेल–कूद भी आवश्यक है। बच्चे पढ़–लिख कर, बड़े होकर अपनी जिम्मेदारी को समझने लगें, तभी माता–पिता को उनकी शादी–ब्याह के बारे में सोचना चाहिए, और वो भी उनकी सहमति से।

कानून क्या कहता है?

- **बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के अनुसार लड़की की 18 साल और लड़के की 21 साल की उम्र से पहले शादी होना बाल विवाह है।**
- **जो कोई भी बाल विवाह में साझेदार होगा, चाहे वो पुजारी हो या शादी के हॉल का मालिक, उसे दो साल की जेल या एक लाख रुपये जुर्माने से दंडित किया जायेगा।**

Title : **Child Marriage (बाल विवाह)**
Series Title: **Child Protection and Child Rights**

मधु की तस्वीर

अगले दिन, मधु स्कूल आयी। वो खुश लग रही थी। पिंजरा खाली था। मैना पंछी नीले आसमान में उड़ रही थी।

Title : **Child Marriage** (बाल विवाह)
Series Title: **Child Protection and Child Rights**

मधु की तस्वीर

चर्चा के लिए प्रश्न

- मधु क्यों नहीं हँस रही थी?
- क्या आपके गाँव में या बस्ती में मधु जैसी कोई लड़की है?
- मधु जैसी लड़कियों के लिए हम अपने या गाँव–बस्ती के स्तर पर क्या कर सकते हैं?

Title : **Child Marriage (बाल विवाह)**
Series Title: **Child Protection and Child Rights**

मधु की तस्वीर

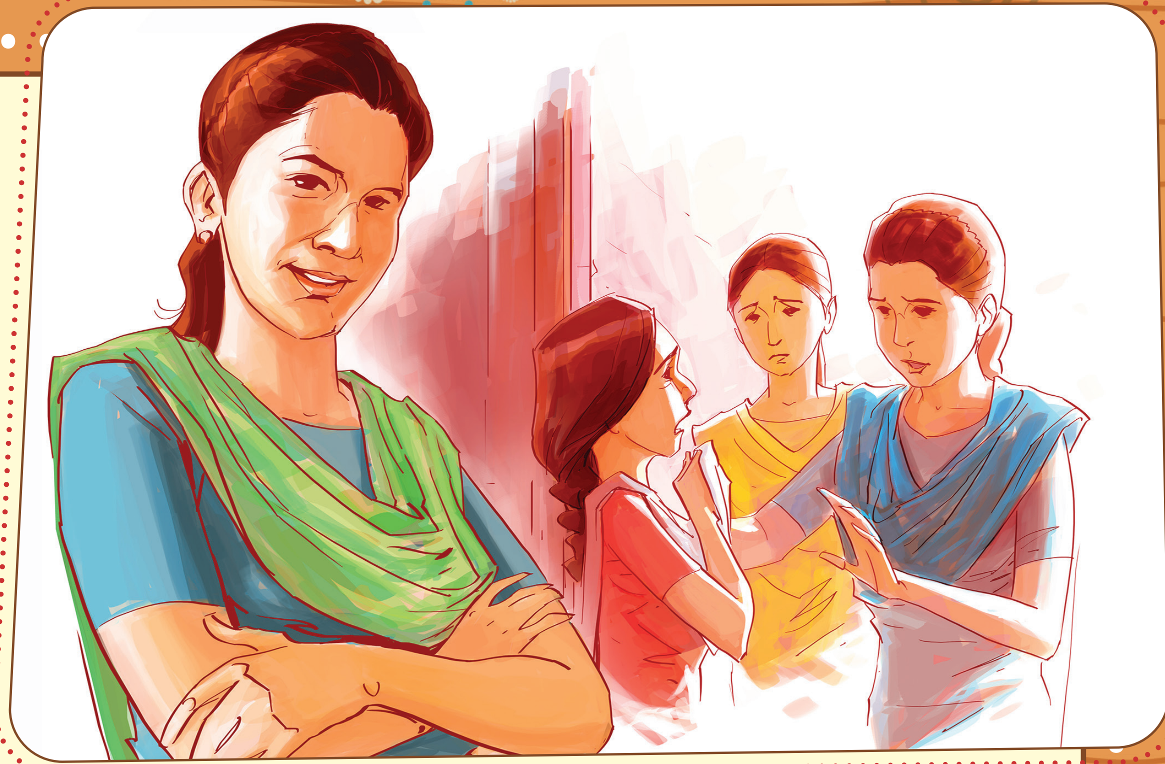

आदर्श भूमिका कथा

फरीदा, पश्चिम बंगाल में कोलकाता से एक 17 वर्षीय लड़की है। वह उन बुरी सामाजिक प्रथाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने में बहुत सक्रिय रही है जो उसके समुदाय में बाल अधिकारों के उल्लंघन करती है। वह अपने पड़ोस में बाल विवाह के खिलाफ़ रैलियों के आयोजन के साथ–साथ शादीशुदा लोगों को यौन व प्रजनन स्वास्थ्य पर सलाह और कम उम्र में गर्भधारण के दुष्परिणाम के बारे में भी बताती है। वह चाइल्ड इन नेशन इंस्टीट्यूट (सी.आई.एन.आई.) नामक एक गैर–सरकारी संस्था द्वारा बनाई गई बाल संसद का सदस्य है, जहां बच्चे अपने आस पड़ोस में सामाजिक समस्याओं का समाधान करने के लिए एक साथ आते हैं। पर वहा कोई मौद्रिक लाभ नहीं होते हैं। वहां बिना किसी आर्थिक लाभ के, बच्चे अपने समुदायों में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए स्वेच्छा से भाग लेते हैं।

एक दिन फ़रीदा और उसकी दो दोस्त एक 15 साल की लड़की से मिलने गये और पूछा कि वह बैठकों में क्यों नहीं आ रही है। लड़की ने अपने घर के दरवाजे से ही रोते हुए कहा कि उसकी जिंदगी खत्म हो गई है। बार–बार पूछे जाने पर, उसने कहा कि उसकी शादी जबरदस्ती एक बहुत बड़े आदमी से करवाई जा रही है। उस बूढ़े व्यक्ति की पहले से ही एक पत्नी और दो बच्चे हैं। फरीदा को पता था कि उस लड़की को बचाने के लिए उसे कुछ तो करना ही है। उसने लड़की की माँ से बात करने की सोची पर लड़की ने अपनी माँ के गुस्से के डर से मना कर दिया। फरीदा ने फिर भी जा कर लड़की की माँ से बात की। फिर भी वो अपनी बेटी की शादी करवने के लिए अड़ी रही। उसने यह भी कहा कि फरीदा ईर्ष्या के कारण शादी को तोड़ना चाहती है। लड़की की माँ ने फरीदा के बारे में उसके रिश्तेदारों में बुरी अफवाह फैलानी शुरू कर दी और उसे मारने की धमकी भी दी ।

इससे फरीदा और उसके दोस्त डर गए थे। जब कोई हल नहीं दिखा, तब उन्होंने 1098 बाल–हेल्पलाइन पर कॉल किया। और इसके बारे में किसी को भी सूचित नहीं किया। आधी रात को वहाँ पुलिस पहुँची और दूल्हे और लड़की की माँ को गिरफ्तार कर लिया। लड़की की माँ गुस्से से फ़रीदा और उसके दोस्तों को महीनों कोसती रही। पर जब उसे यह पता चला कि जो व्यक्ति उसकी बेटी से शादी करना चाहता था वह पहले से ही शादी–शुदा था (जिसकी उसे पहले से कोई ख़बर नहीं थी), तो माँ उनके प्रति बेहद आभारी हुई। इस तरह 15 साल की वह लड़की बाल विवाह से बच गयी और फिर से पढ़ाई शुरू कर एक बेहतर जिंदगी जीने लगी।